नागरिकशास्त्र शिक्षण के लक्ष्य एवं उद्देश्य : [Aim and Objectives of Civics Teaching]

किसी भी विषय के शिक्षण से पूर्व हमारे लिए यह आवश्यक है कि हम उस विषय के उद्देश्यों का निर्धारण करें।

- उद्देश्य किसी भी विषय के वांछनीय स्वरूप की व्याख्या करने हेतु आवश्यक है।
- यह शिक्षण कार्य का सीमांकन करते हैं।
- उद्देश्य अध्यापक व छात्र दोनों को ही क्रिया करने हेतु सही मार्गदर्शन देते हैं।
- यह सीखने की नीति निर्धारण करने में भी सहयोग देते हैं।
- इसके द्वारा ही पाठ्यक्रम का निर्धारण किया जाता है।

जॉन डीवी के शब्द, "उद्देश्य एक पूर्व दृष्टित लक्ष्य है जो किसी भी क्रिया को दिशा-निर्देश देते हैं व व्यवहार को प्रेरित करते हैं।"

ब्लूम के अनुसार, "शैक्षिक उद्देश्य का अर्थ उन स्पष्ट शैलियों के निर्माण से है जिनके द्वारा शैक्षिक प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों के व्यवहार में अपेक्षित परिवर्तन सम्भव है।"

बेसले के अनुसार, "शैक्षिक उद्देश्य या लक्ष्यों का अभिप्राय है विद्यालय द्वारा प्राप्त किये जाने वाले मानदण्डों का चयन करना"।

लक्ष्य एवं उद्देश्य में अन्तर

	लक्ष्य	उद्देश्य
1.	लक्ष्य शिक्षा को निर्धारित दिशाएं प्रदान करते है। शिक्षा इनके अभाव में वांछित दिशा में प्रगति नहीं कर सकती है।	उद्देश्य वह बिन्दु है जो निर्धारित दिशा में सम्भव उपलब्धि को व्यक्त करता है।
2.	लक्ष्य की प्राप्ति विद्यालय कार्यक्रम के क्षेत्र से बाहर है दूसरे शब्दों में लक्ष्यों को केवल विद्यालयी कार्यक्रमों से प्राप्त करना सम्भव है।	उद्देश्य की प्राप्ति की जा सकती है।
3.	शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति निश्चित नहीं है।	उद्देश्य लक्ष्यों से विकसित या उत्पन्न नहीं है। प्रत्येक उद्देश्य की प्राप्ति का शैक्षिक उद्देश्य की प्राप्ति का एक चरण होता है।

4.	लक्ष्य विषय-वस्तु के चयन में निश्चित निर्देश नहीं देता है।	उद्देश्य अन्तर्वस्तु के चयन में सहायता प्रदान करते है।
5.	लक्ष्य कक्षा-कक्ष की शिक्षण की रणनीतियों के निर्धारण में सहायक नहीं होते है।	उद्देश्य कक्षा-कक्ष की शिक्षण-रणनीतियों के निर्धारण में सहायक होते है।
6.	लक्ष्य एक सामान्य कथन है।	उद्देश्य एक निश्चित एवं विशेष कथन है।